वित्त मंत्रालय

वित्त मंत्री ने राष्ट्र की सुरक्षा में राजस्व आसूचना निदेशालय की विशिष्ट सेवा एवं योगदान की स्मृति में डाक टिकट जारी किया

प्रविष्टि तिथि: 26 Dec, 2019 5:25pm बजे by PIB Delhi

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने राष्ट्र की रक्षा में राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की विशिष्ट सेवा एवं गौरवशाली योगदान की स्मृति में औपचारिक रूप से एक डाक टिकट जारी किया।

डाक टिकट जारी करने के पश्चात केंद्रीय वित्त मंत्री ने डीआरआई को उसके अधिकारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई दी। उन्होंने टिप्पणी की कि डीआरआई तस्करी का मुकाबला करने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण को संरक्षित करने में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। तस्करी के नवीन तरीकों को अपनाने से संगठन के सामने चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं तथा डीआरआई के ठोस प्रयासों को बढ़ाने का आह्वान किया गया। उन्होंने अपने नागरिकों में विश्वास पैदा करने एवं तस्करों को रोकने में सक्षम होने के लिए प्रौद्योगिकी और डेटा विश्लेषण का उपयोग करने में डीआरआई के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। श्रीमती सीतारमण ने डीआरआई के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा देश में तस्करी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए दृढ़ एवं सहयोगात्मक प्रयासों के लिए बधाई दी।

वित्त मंत्री के अलावा, इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर; डॉ. अजय भूषण पांडे, राजस्व सचिव; श्री प्रदीप्त कुमार बिसोई, सचिव, डाक विभाग, तथा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य तथा राजस्व आसूचना निदेशालय के अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के बारे में

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) का गठन 4 दिसंबर, 1957 को तस्करी का मुकाबला करने के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की एक शीर्ष आसूचना एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए किया गया था।

इन वर्षों में, डीआरआई ने खुद को प्रमुख आसूचना एजेंसी के रूप में स्थापित किया है, जो एफआईसीएन, मादक पदार्थों, सोना, हथियार एवं गोला-बारूद, वन्य जीवन, सांस्कृतिक विरासत और वाणिज्यिक जैसे असंख्य विषयों पर अपने खुफिया इनपुट सहित अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय एजेंसियों का विश्वास हासिल कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में, संगठन ने खुद को नई तथा उभरती चुनौतियों, जैसे कि काला-धन, मनी-लॉन्ड्रिंग और नारको-आतंकवाद से संबंधित चुनौतियों के प्रति फिर से उन्मुख करने की कोशिश की है।

डीआरआई को एस-कॉर्ड, राष्ट्रीय तस्करी विरोधी समन्वय केंद्र के लिए प्रमुख एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है। शीर्ष तस्करी विरोधी प्रवर्तन संगठन होने और सहयोगात्मक प्रयासों में अपने ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, डीआरआई से उम्मीद की जाती है कि वह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक कल्याण हेतु गंभीर खतरा पैदा करने वाली तस्करी गतिविधियों को विफल करने के सामान्य उद्देश्य की दिशा में सीमा एजेंसियों को साथ ले जाएगा।